जादू की सींकें

छज्जू के पास कुछ सींकें थीं। जिन्हें उसके सारे दोस्त जादू की सींकें कहते थे। छज्जू से जब कोई पूछता 5 × 7 कितना होगा? तब छज्जू फटाफट सींकें जमाता और बता देता – 35 होगा। ऐसे ही कितने सारे सवाल वह हल कर देता। लेकिन वह अपना तरीका किसी को नहीं बताता। उसके साथी उसे गुणा वाला जादूगर मानते थे। लेकिन उसकी दोस्त शीला इस बात को नहीं मानती थी। वह हमेशा पता करने की कोशिश करती की छज्जू गुणा कैसे करता है।

आखिर एक दिन शीला ने उसे गुणा करते देख लिया। उसको छज्जू की जादूगरी तुरंत समझ आ गई। बस फिर क्या था, शीला ने छज्जू के तरीके को सबके सामने खोल के रख दिया।

तुम भी जादू की सींकें बना सकते हो।
कैसे बनाओगे ये मैं बताता हूं।

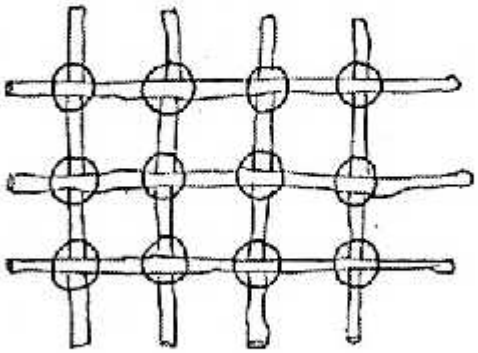

तुम्हें 4 में 3 का गुणा करना है। पहले 4 सींकें एक-एक अंगुल की दूरी पर खड़े में जमा लो। देखो चित्र।

अब 3 सींकें उन पर एक-एक अंगुल की दूरी पर आड़ी जमा लो। जैसे चित्र में दिखाया गया है।
आड़े और खड़े सींक जहां-जहां एक दूसरे को काटते हैं, वे जोड़ हैं। आड़ी और खड़ी सींकों के ये जोड़ गिन लो।
कितना आया? ... यही 4 × 3 के बराबर है। बस
यही काम छज्जू सबसे छुपकर करता था
और सब उसे जादूगर मानते थे। लेकिन अब तो हम और तुम जादू समझ गए हैं। किसी भी संख्या में किसी संख्या का गुणा कर सकते हैं। तरीका वही, सींकों को आड़ा और खड़ा रखना और गिनना।

अब तुम सींकों से गुणा करके नीचे लिखे सवालों के उत्तर लिखो।

4 × 5=	6 × 6=	9 × 4=	3 × 6=	5 × 7=	4 × 8=
7 × 6=	9 × 9=	5 × 5=	8 × 7=	6 × 5=	8 × 8=
7 × 6=	7 × 7=	8 × 5=	4 × 4=	6 ×-9=	3 × 3=

- ऐसे और भी सवाल बनाओ और हल करो। कुछ सवाल बना कर दोस्तों से हल करवाओ।

दिनांक

घर में क्या, स्कूल में क्या

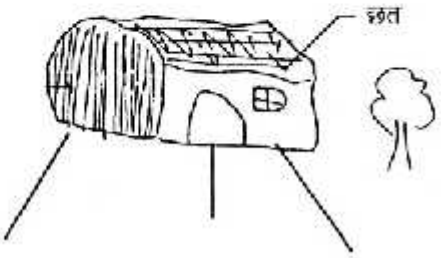

ये है मेरा घर। मेरे घर में हैं –
दरवाज़ा, दीवारें, खिड़की और छत।
घर के बाहर एक पेड़ भी है।

● मुझे बताना है कि **मेरे** घर में ये कहाँ-कहाँ हैं।
एक नाम मैंने भर दिया है।
जो छूट गये हैं उनके सही नाम लिखो।

ये है हमारा स्कूल। हमारे स्कूल में हैं–
घंटा, छत, दीवार, तख़्ता, नक्शा, खिड़की, और खंभा।
स्कूल के बाहर भी एक पेड़ है।
● इस चित्र में भी सही नाम लिखो।

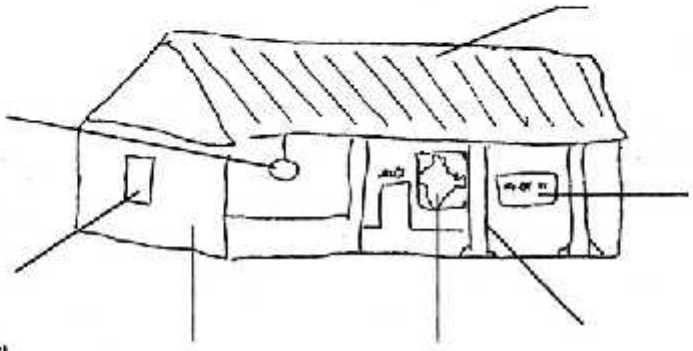

कॉपी में करो।

● कौन-कौन सी चीज़ें घर में भी हैं और स्कूल में भी। स्कूल की कौन-सी चीज़ें घर में नहीं हैं?

● अपने घर का चित्र बनाओ। फिर उसके हिस्से दिखाओ।

●स्कूल का चित्र बनाओ। उसके साथ भी ऐसा ही करो।

जोड़ करो बार-बार
हो जाता है गुणा

● एक डिब्बे मे 10 पेंसिलें हैं। ऐसे 4 डिब्बों में कितनी पेंसिलें होंगी?

10 + 10 + 10 + 10 = 40

↓ ↓ ↓ ↓

1 + 1 + 1 + 1

4

यानी 10 को 4 बार जोड़ा - यानी 10X 4 = 40

● एक गुच्छे में 4 चाबियाँ हैं। ऐसे 4 गुच्छों में कितनी चाबियाँ होंगी ?

4 + 4 + 4 + 4 = 16

4 X ☐ = 16

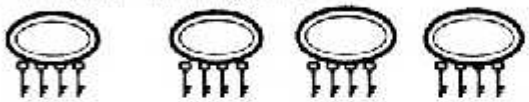

● एक बाग में फल के पेड़ लगे हैं। एक कतार में 8 पेड़ हैं। पूरे बाग में पेड़ों की 5 कतारें हैं। पूरे बाग में फल के कितने पेड़ हैं ?

8 + ☐ + ☐ ☐ ☐ ☐ = ☐

8 X ☐ = ☐

समीकरण

● 3 + 3 + 3 + 3 = 12 3 X 4 = 12

3 + 3 + 3 + 3 = 3 X 4 = 12

समीकरण का मतलब है = चिह्न के दोनों तरफ समान संख्याएँ हों या फिर ऐसी क्रियाएँ हों जिनका उत्तर समान आता हो। समान से बना है समीकरण।

तुम भी समीकरण बनाओ -

● 5 + 5 + 5 = ☐ 5 X ☐ = ☐

दिनांक

पूँछ पर दौड़

एक लोमड़ी और चींटे में दोस्ती हुई। दोनों ने मिलकर गेहूँ बोया। लोमड़ी हर रोज़ पेट के दर्द का बहाना करती और काम से बच जाती। चींटा अकेला सुबह से शाम तक मेहनत करता था।

जब गेहूँ पककर तैयार हुआ, तब लोमड़ी ने सोचा – क्यों न पूरा का पूरा गेहूँ मैं रख लूँ। उसने चींटे से कहा – दोस्त, इस गेहूँ का बँटवारा क्यों करें?

चींटा बोला – फिर क्या करना होगा?
लोमड़ी बोली – हम दोनों यहाँ से दौड़ लगाते हैं। जो पहले खलिहान पहुँचेगा, वह पूरा गेहूँ ले लेगा।

चींटा तैयार हो गया। लोमड़ी चिल्लाई –एक, दो, तीन।

फिर वह पूरा ज़ोर लगाकर दौड़ी। चींटा लोमड़ी की दुम पर चिपक गया। लोमड़ी को पता तक न चला। खलिहान में पहुँचकर लोगड़ी ने अपनी दुम ज़ोर से हिलाई। चींटा छिटक कर गिर गया और गेहूँ के ढेर पर चढ़ गया।

चींटा चिल्लाया – लोमड़ी तुम कहाँ रह गईं थी। मैं कब से यहाँ आ गया।

लोमड़ी चुप रह गई। चींटा सारा गेहूँ ले गया।

1. कहानी पढ़कर छोड़े गए शब्द भरो -

- दो दोस्त थे; लोमड़ी और ..... ।
- मिलकर बोया ..... ।
- लोमड़ी चिल्लाई - एक ..... ।
- ..... सारा गेहूँ ले गया।

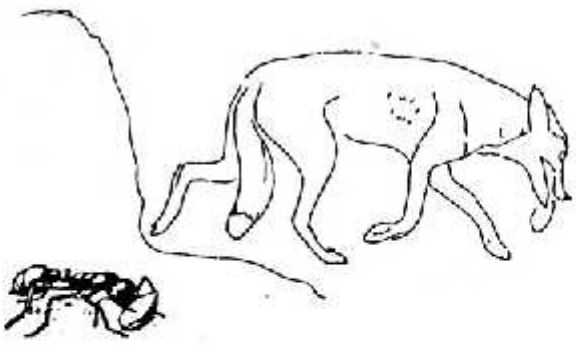

2. पढ़ कर सही/गलत का निशान लगाओ

- चींटा लोमड़ी की दुम पर चिपक गया।
- चींटा पेट के दर्द का बहाना करता था।
- सारा गेहूँ लोमड़ी ले गई।
- चींटा और लोमड़ी में दौड़ हुई।
- चींटा सुबह से शाम तक दौड़ा करता।

3. यहाँ एक लोमड़ी और एक कुत्ते का चित्र दिया है।
दोनों को ध्यान से देखो – उनमें क्या-क्या समानताएं और अंतर हैं?

4. गेहूँ उगाने के लिए चींटे ने क्या-क्या किया होगा?

5. चींटा दौड़ के लिए क्यों तैयार हो गया? तुम्हें क्या लगता है?

6. गेहूँ बाँटने के लिए अगर लोमड़ी यह कहती –

हम दोनो गेहूँ काटते है। जो जितना काटेगा उतना रखेगा।

तो चींटा क्या करता?

7. खेत में 16 बोरे गेहूँ हुआ। लोमड़ी और चींटे में उन्हें बराबर-बराबर बाँटो।
दोनों को कितने-कितने बोरे मिले - लिखो।
लोमड़ी को..... चींटे को .....

8 चीटा तो लोमड़ी के ऊपर बैठ सकता है। बताओ नीचे में से कौन किस पर बैठ सकता है?

ऊँट, मक्खी, लड़की, कुत्ता, हाथी, घोड़ा, मछली

चींटा बोला	..... चिल्लाया	.....चुप रह गई।
लोगड़ी बोली	.....चिल्लाई	.....गेहूँ ले गया।

दिनांक

एक जैसे? या अलग - अलग?

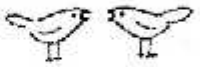

गाय और कुत्ते में कई बातें एक समान हैं।
जैसे, गाय के दो कान हैं, और कुत्ते के भी
.... कान हैं। बोलो, और किन-किन
बातों में ये दोनों एक समान हैं?

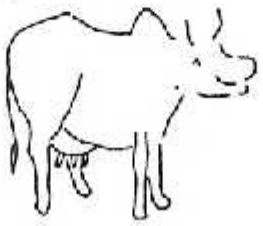

पर कई बातों में गाय और कुत्ता
अलग-अलग भी हैं। जैसे, गाय के दो .....
हैं, पर कुत्ते के नहीं। बताओ, ये
दोनों और किन-किन बातों में अलग हैं?

● नीचे की सूची को देखो। पहले खुद पढ़ने की कोशिश करो।
फिर पता करो -- इन में से क्या-क्या दोनों के साथ जायेगा?
और क्या-क्या केवल एक ही के साथ?

चार पैर हैं
इसका दूध हम पीते हैं
एक मुँह है
चारा, खाना इसका खाना
घर का रखवाला
पालतू जानवर
एक पूँछ है
पैने दाँत हैं
टेढ़ी पूँछ है
दो कान हैं
बछड़ा

● *कॉपी के लिए* । अब इन चीज़ों के बीच 5-5 समानताएं और अंतर ढूंढो।

बैलगाड़ी और **साइकिल**, **चूहा** और **गिलहरी**, **मक्खी** और **मच्छर**,
कॉपी और **किताब**, **नीम** का पेड़ और **बबूल** का पेड़

● जिन चीज़ों का चित्र बना सकते हो उनके चित्र भी बनाओ।

कागज़ भागज़

एक कागज़ लो। उसके एक कोने को मोड़कर सामने मिला लो। नीचे की पट्टी फाड़ लो।

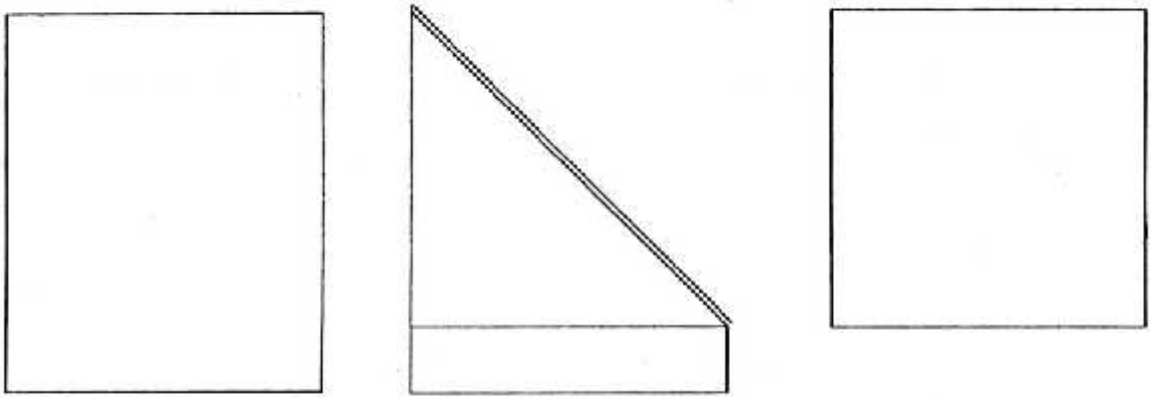

अब इस कागज़ की लंबाई, चौड़ाई बराबर होगी। याने कि यह एक वर्ग है।

इस कागज़ के वर्ग के दो बराबर हिस्से करो।

इन दो हिस्सों को फिर से दो बराबर-बराबर हिस्सों में बाँटो।

अब कागज़ के कितने टुकड़े हो गए ?

इन चारों टुकड़ों को बराबर-बराबर हिस्सों में बाँटो। वर्ग के कितने टुकड़े हो गए?

इन सभी टुकड़ों को जोड़कर क्या तुम कागज़ का वर्ग दोबारा जमा सकते हो? करके देखो।
इन टुकड़ों को और भी छोटा किया जा सकता है क्या ?

● तुमने इस कागज़ के छोटे-छोटे टुकड़े किए हैं। क्या तुम किसी और आकार के कागज़ के इसी प्रकार बराबर-बराबर टुकड़े कर सकते हो? करके देखो।

दो तीन एक ही जितने बड़े कागज़ लो। अब उनके बराबर-बराबर टुकड़े करो। इन टुकड़ों को अलग-अलग चीज़ों पर जमा कर देखो। कितने टुकड़े किस पर आते है? तुम्हारी किताब पर कितने आते हैं? पट्टी पर कितने?